12- वसीयतनामा विला मालियत

मैं कि.....पुत्र / पुत्री / पत्नि श्री..... आयु.. .....निवासी मकान संख्या..... ....मौहल्ला / ग्राम / वार्ड..... .....तहसील व जिला.....इस लेखपत्र को अपनी अन्तिम वसीयत के रूप में अपने स्वस्थ्यचित एवं पूर्ण होशहवास में बिना किसी दबाव के एतद्द्वारा लिखता हूँ और घोषित करता हूँ। मेरी अचल सम्पत्ति जिसका विवरण उक्त वसीयत के अन्त में दिया गया है, उसका मैं एकमात्र स्वामी हूँ व उसके अन्तरण का मुझे पूर्ण अधिकार प्राप्त है। उक्त अचल सम्पत्ति के ... विलेख का पंजीकरण मेरे पक्ष में उप निबन्धक कार्यालय.... में संख्या... दिनांक... को हुआ है। जीवन का कोई भरोसा नही है। अतः मै चाहता हूँ कि मेरी मृत्यु के बाद मेरी उक्त सम्पत्ति के उत्तराधिकार के बारे में किसी प्रकार का विवाद न हो, इसलिये मेरे जीवन काल में ही वसीयत द्वारा सम्पत्ति का निष्पादन करता हूँ। मेरे जीवन काल में मेरी उक्त सम्पत्ति का मैं स्वयं मालिक व काबिज रहूँगा तथा किसी भी प्रकार से उपयोग व उपभोग कर सकूंगा। मेरी मृत्यु के बाद उक्त सम्पत्ति के निम्नानुसार उत्तराधिकारी मालिक होंगेः–

क्र.सं. उत्तराधिकारी सम्पत्ति का विवरण

1 श्री.....

पुत्र / पुत्री / पत्नि श्री.....

.....

निवासी.....

..

2 श्री.....

पुत्र / पुत्री / पत्नि श्री.....

.....

निवासी.....

3 अतएव उपरोक्त के साक्ष्य स्वरूप मैने बिना किसी दबाब के तथा अपने पूर्ण होशहवास में निम्नलिखित दो गवाहों के समक्ष हस्ताक्षर किये हैं।

हस्ताक्षर वसीयतकर्ता

गवाह–1 (नाम, पिता का नाम व पता)

गवाह–2 (नाम, पिता का नाम व पता)